ये अव्यक्त इशारे

## ईच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति का अनुभव करो और कराओ

***12-09-2024***

आप बच्चे विश्व के लिए आधारमूर्त हो, विश्व के आगे जहान के नूर हो, जहान के कुल दीपक हो यह जो आपकी श्रेष्ठ महिमा है, ऐसी श्रेष्ठ महिमा के अधिकारी आत्मायें अब विश्व के आगे अपने सम्पन्न रूप में प्रत्यक्ष हो दिखाओ। अगर अभी तक अपने हद की आशायें पूर्ण करने की इच्छा है, थोड़ा-सा नाम चाहिए, मान चाहिए, रिगार्ड चाहिए, स्नेह चाहिए, शक्ति चाहिए। ऐसी स्व के प्रति इच्छायें हैं तो इच्छा मात्रम् अविद्या की स्थिति द्वारा विश्व की इच्छायें कब पूरी करेंगे!

## Experience the stage of being ignorant of the knowledge of desires and give others this experience.

You children are the images of support for the world. You are the lights of the world in front of the world. You are the lamps of the world family. You are the souls who have a right to this elevated praise, and so now reveal yourselves in front of the world in your complete form. If you even now want to fulfil your limited desires – a little name, respect, regard, love, power – if you have such desires for yourself, then when would you fulfil the desire of the world with your stage of being ignorant of desire?